वर्ष :-1 अंक:-323 6, जनवरी,2026 मंगलवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

नालंदा का नंबर -1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

फार्मर रजिस्ट्री से औद्योगिक हब तक, डीएम ने तय की विकास की सख्त समय-सीमा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।सोमवार को कुंदन कुमार, जिलाधिकारी, नालंदा की अध्यक्षता में जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समन्वय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री कार्य में तेजी लाने हेतु मिशन मोड में जमाबंदी के बकेट क्लेम एवं सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कृषि विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को आपसी समन्वय स्थापित कर कैंप लगाकर फार्मर रजिस्ट्री में ठोस प्रगति लाने को कहा। साथ ही, ग्राउंड लेवल पर ई-केवाईसी सत्यापन एवं जमाबंदी सत्यापन कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए गए।

जिला जनता दरबार की समीक्षा में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को वर्ष 2026 में प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने तथा निष्पादित मामलों का विवरण गूगल डॉट पर अद्यतन करने का निर्देश दिया गया। दूरस्थ ग्रामीण एवं अनपढ़ आवेदकों की समस्याओं के सहज समाधान के साथ कार्यालयों में बैठने, पेयजल एवं शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया।

जिलाधिकारी ने नालंदा को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने के लिए अनुपयोगी एवं बंजर भूमि की ग्राउंड लेवल पर पहचान करने का निर्देश दिया, ताकि औद्योगीकरण को बढ़ावा देकर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो सके। इसके साथ ही नव नालंदा बिहार के समीप स्थित झील में वॉटर स्पोर्ट्स सुविधा विकसित करने की घोषणा की गई।अन्य निर्देशों में सभी विभागों से रिक्त पदों की सूचना शीघ्र उपलब्ध कराने, सिनेमा हॉल व पेट्रोल पंप के एनओसी से जुड़े लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, भूमि विवादों के समाधान तथा पईन-आहर को अतिक्रमण मुक्त कराने पर जोर दिया गया। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता न करने और ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में उप विकास आयुक्त, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

सीएम नीतीश कुमार आज कल्याण बिगहा पहुंचेंगे, प्रशासन अलर्ट

हरनौत (अपना नालंदा)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री यहां दिवंगत सीताराम के श्राद्धकर्म में शामिल होंगे तथा उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देंगे। बताया जाता है कि दिवंगत सीताराम पिछले करीब 50 वर्षों से मुख्यमंत्री के पैतृक घर, खेत-खलिहान एवं अन्य कार्यों की देखरेख करते आ रहे थे। हाल ही में उनके निधन के बाद आज श्राद्धकर्म आयोजित किया गया है।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सोमवार की देर शाम नालंदा के जिलाधिकारी कुंदन कुमार एवं डीडीसी श्रीकांत कुंडलीक खांडेकर ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम काजले वैभव नितिन, डीएसपी-2 संजय कुमार जायसवाल सहित अन्य वरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री का आगमन आज लगभग साढ़े तीन बजे शाम में संभावित है। मौके पर जद (यू) प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार, अंचल अधिकारी पूजा कुमारी, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सौरभ सुमन सहित स्थानीय ग्रामीण एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रशासन द्वारा यातायात, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से आयोजन सुनिश्चित किया जा सके।

भागन बिगहा बाजार में शराब का जखीरा बरामद, थाना से चंद मीटर दूर कार्रवाई

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रहुई प्रखंड अंतर्गत भागन बिगहा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शराबबंदी कानून के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। यह कार्रवाई भागन बिगहा बाजार में थाना से महज कुछ मीटर की दूरी पर स्थित एक दो मंजिला बोरिंग के कमरे में की गई।पुलिस द्वारा मौके से कुल 143 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की गई है। बरामद शराब की कुल मात्रा लगभग 90 लीटर बताई जा रही है। जब्त बोतलों में 750 एमएल और 350 एमएल की विभिन्न नामी ब्रांड की अंग्रेजी शराब शामिल है। इतनी बड़ी मात्रा में शराब की बरामदगी से इलाके में हड़कंप मच गया है।

सूत्रों के अनुसार, भागन बिगहा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बाजार के समीप स्थित उक्त दो मंजिला बोरिंग के एक कमरे में अवैध रूप से शराब का भंडारण किया गया है। सूचना की पुष्टि के बाद वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके पश्चात पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान कमरे से बड़ी संख्या में शराब की बोतलें बरामद हुईं, जिन्हें विधिवत जब्त कर लिया गया।इस मामले की आधिकारिक पुष्टि के लिए जब भागन बिगहा थाना अध्यक्ष रवि रंजन कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनसे बात नहीं हो सकी। फोन कॉल रिसीव नहीं होने के कारण यह समाचार फिलहाल सूत्रों के हवाले से प्रकाशित किया जा रहा है।m स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना से इतनी नजदीकी दूरी पर शराब का जखीरा मिलना पुलिस की सक्रियता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। फिलहाल जब्त शराब के संबंध में आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। अब यह देखना अहम होगा कि इस मामले में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कितनी सख्ती से कार्रवाई होती है।

ई-केवाईसी नहीं कराने वाले किसानों की पीएम किसान किस्त अटकेगी

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अगली किस्त का इंतजार कर रहे किसानों के लिए अहम सूचना है। योजना की आगामी किस्त का लाभ लेने के लिए अब ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले किसानों की अगली किस्त रोक दी जाएगी।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी ब्रजकिशोर चरण ने बताया कि हरनौत प्रखंड में लगभग साढ़े नौ हजार किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पंजीकृत हैं, लेकिन इनमें से मात्र करीब 25 प्रतिशत किसानों का ही ई-केवाईसी पूर्ण हो पाया है। शेष किसानों का ई-केवाईसी लंबित है, जिसके कारण उन्हें योजना की अगली किस्त मिलने में परेशानी हो सकती है।

बीएओ ने सभी शेष किसानों से अपील की है कि वे शीघ्र अपने-अपने पंचायतों में पदस्थापित किसान सलाहकार के माध्यम से ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करा लें। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए पंचायत स्तर पर विशेष शिविर भी लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में राजस्व कर्मी, किसान सलाहकार एवं कृषि समन्वयकों को ई-केवाईसी कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि कोई भी पात्र किसान लाभ से वंचित न रह जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन किसानों का ई-केवाईसी निर्धारित समय सीमा तक पूरा नहीं होगा, उनकी अगली किस्त स्वतः रोक दी जाएगी। ऐसे में किसानों को सलाह दी गई है कि वे दस्तावेजों के साथ शीघ्र शिविर में पहुंचकर ई-केवाईसी कराएं और योजना का निरंतर लाभ सुनिश्चित करें।

आवास सत्यापन में तेजी लाने के निर्देश, 15 जनवरी तक लक्ष्य पूरा करने का आदेश

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय प्रखंड में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास सत्यापन कार्य की धीमी प्रगति को लेकर सोमवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रखंड मुख्यालय स्थित अपने कक्ष में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने आवास सहायकों एवं पंचायत रोजगार सेवकों (पीआरएस) के साथ बैठक कर सख्त दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि प्रखंड में कुल 18,826 आवेदनों में से अब तक मात्र 18.17 प्रतिशत आवेदनों का ही सत्यापन पूरा हो सका है, जो अत्यंत चिंताजनक है। जबकि आवास सत्यापन का कार्य हर हाल में 15 जनवरी तक पूरा किया जाना है। इस धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बीडीओ ने सभी संबंधित कर्मियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।

उन्होंने बताया कि प्रखंड की सभी 16 पंचायतों में सत्यापन कार्य के लिए आवास सहायक एवं पीआरएस की ड्यूटी पूर्व से निर्धारित है। सभी कर्मियों को प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्य के अनुसार सत्यापन कार्य पूरा करने का आदेश दिया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि कार्य में लापरवाही या उदासीनता बरतने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।बैठक के दौरान बीडीओ ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना का उद्देश्य जरूरतमंद और पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है, इसलिए सत्यापन कार्य में पारदर्शिता और गंभीरता बेहद आवश्यक है। किसी भी पात्र लाभुक को वंचित नहीं किया जाना चाहिए।इस मौके पर प्रखंड आवास पर्यवेक्षक रविकर कुमार रवि समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। सभी को समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया गया।

दलित गरीबों की बस्तियां उजाड़ने का विरोध, कतरीसराय में खेग्रामस का धरना

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड सह अंचल कार्यालय कतरीसराय के समक्ष खेग्रामस के बैनर तले सोमवार को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान धरनार्थियों ने सात सूत्री मांग पत्र प्रशासन को सौंपा। धरना की अध्यक्षता गजाधर प्रसाद ने की। अपने संबोधन में उन्होंने आरोप लगाया कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर सरकार दलित एवं गरीब समुदायों की बस्तियों को उजाड़ने का अमानवीय और गैरकानूनी कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य की लगभग 30 प्रतिशत आबादी दशकों से जिस भूमि पर निवास कर रही है, उन्हें पीपीएच एक्ट 1948 के तहत पर्चा अथवा पट्टा मिल जाना चाहिए था, लेकिन नए जमींदार समर्थित तंत्र ने कानून की अवहेलना करते हुए ऐसा नहीं किया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि गरीबों से वोट लेकर सरकार उन्हीं गरीबों के साथ विश्वासघात कर रही है, जिसके खिलाफ पूरे राज्य में दलित-गरीब आंदोलनरत हैं।धरने के माध्यम से सात सूत्री मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। इनमें दलित-गरीब बस्तियों को उजाड़ने पर तत्काल रोक,

सभी वसावटों का मुकम्मल सर्वे, प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने, मनरेगा की पुनर्बहाली, मजदूर विरोधी लेबर कोड पर रोक, वनवासियों पर चल रही बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में दर्ज मुकदमों की वापसी तथा ग्राम अहियाचक (कतरीसराय) के खाता संख्या 190, प्लॉट 6030, रकबा 2 एकड़ 54 डिसमील से जुड़े 26 पर्चाधारियों को पुनः पर्चा निर्गत करने की मांग शामिल है।

इस अवसर पर खेग्रामस के जिला सचिव रामधारी दास, भाकपा माले के जिला कमेटी सदस्य एवं बिहारशरीफ ग्रामीण प्रभारी सुनील कुमार सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। धरना में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जर्जर कस्तूरबा विद्यालय भवन, 14 वर्षों से नालंदा की बेटियों की सुरक्षा संकट में

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रहुई प्रखंड के खिरौना गांव स्थित दिग्धीपर में बने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का भवन पिछले 14 वर्षों से जर्जर हालत में है। भवन की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से अब तक ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

वर्ष 2011 में निर्मित इस विद्यालय भवन की छतों में गहरी दरारें पड़ चुकी हैं। दीवारों से प्लास्टर लगातार झड़ रहा है और कई कमरों में पानी का रिसाव आम समस्या बन गई है। बरसात के मौसम में हालात और भी भयावह हो जाते हैं, जिससे छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडराने लगता है।भवन की जर्जरता को देखते हुए वर्ष 2021 में सुरक्षा कारणों से विद्यालय में नामांकित सैकड़ों बालिकाओं को प्रखंड मुख्यालय स्थित शिक्षा विभाग के डाटा संग्रह केंद्र में अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया गया।

हालांकि, यह व्यवस्था भी अपर्याप्त साबित हो रही है। सीमित संसाधनों के कारण छात्राओं की पढ़ाई, रहन-सहन और शैक्षणिक वातावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।विद्यालय बंद रहने के कारण स्थानीय लोगों द्वारा परिसर में अतिक्रमण कर लिया गया है। कभी शिक्षा का केंद्र रहा यह परिसर अब उपेक्षा और अव्यवस्था का प्रतीक बन गया है। अभिभावकों ने सवाल उठाया है कि करोड़ों रुपये की लागत से बना भवन इतनी जल्दी जर्जर कैसे हो गया, जिससे निर्माण गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर सवाल खड़े हो रहे हैं।विद्यालय की वार्डेन संगीता कुमारी ने बताया कि लगभग सौ बच्चियों के साथ सुनसान स्थान पर रहना चुनौतीपूर्ण है। सुरक्षा की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है और पढ़ाई के लिए छात्राओं को करीब एक किलोमीटर दूर दूसरे विद्यालय जाना पड़ता है। वहीं कनीय अभियंता नीतीश कुमार ने बताया कि भवन का निरीक्षण कर मरम्मत के लिए विभाग को पत्र भेजा जाएगा। डीपीओ सह बीईओ आनंद शंकर ने कहा कि स्थल जांच के बाद प्रस्ताव भेज दिया गया है।अब सवाल यह है कि जब तक फाइलों की प्रक्रिया पूरी होगी, तब तक नालंदा की बेटियों की सुरक्षा और भविष्य की जिम्मेदारी कौन लेगा?

हरनौत से निःशुल्क गंगासागर तीर्थ यात्रा, 500 श्रद्धालुओं को ले जाने का लक्ष्य

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के चेरो गांव से गरीब, किसान, वृद्ध, महिलाएं, संत तथा असहाय लोगों के लिए निःशुल्क गंगासागर तीर्थ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा में श्रद्धालुओं के लिए आने-जाने, भोजन एवं ठहरने की संपूर्ण निःशुल्क व्यवस्था की गई है। तीर्थ यात्री एनएच-31 स्थित संत श्री राम दरबार में एकत्र होंगे, जहां से बसों द्वारा नवादा, झारखंड होते हुए पश्चिम बंगाल स्थित गंगासागर के लिए रवाना होंगे।

मानव सेवा संस्था गोरखलाल सेवा फाउंडेशन के संस्थापक सह अध्यक्ष गोरेलाल यादव ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह तीर्थ यात्रा 11 जनवरी से 15 जनवरी तक आयोजित की जाएगी। इस यात्रा के माध्यम से करीब 500 श्रद्धालुओं को गंगासागर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 300 श्रद्धालुओं की सीट बुकिंग हो चुकी है, जबकि शेष सीटों के लिए पंजीकरण जारी है।गोरेलाल यादव ने बताया कि यात्रा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं को आधार कार्ड एवं एक पासपोर्ट साइज फोटो देना अनिवार्य होगा। उन्होंने "सारे तीर्थ बार-बार, गंगासागर चलो एक बार" का नारा देते हुए कहा कि यह यात्रा न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक समरसता और सेवा भाव का भी प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि गंगासागर तीर्थ पश्चिम बंगाल में गंगा नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम स्थल सागर द्वीप पर स्थित है, जहां मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाला मेला भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेला माना जाता है। यहां पवित्र स्नान, कपिल मुनि मंदिर के दर्शन और पुण्य लाभ के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। संस्था वर्ष 2023 से लगातार हर वर्ष इस क्षेत्र से श्रद्धालुओं को गंगासागर की तीर्थ यात्रा करवा रही है।

सातवीं लघु सिंचाई गणना की समीक्षा, बीडीओ ने दिया एक सप्ताह का अतिरिक्त समय

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय प्रखंड मुख्यालय स्थित बीडीओ कार्यालय में सोमवार को सातवीं लघु सिंचाई गणना को लेकर एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) डॉ. पंकज कुमार ने की। बैठक में गणना कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे ससमय एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने पर विस्तृत चर्चा हुई।बीडीओ ने बताया कि विभिन्न पंचायतों में लघु सिंचाई गणना कार्य के लिए किसान सलाहकारों एवं कृषि समन्वयकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी निजी एवं सरकारी सिंचाई संरचनाओं का भौगोलिक सत्यापन सहित गणना कार्य 31 दिसंबर से पूर्व पूरा किया जाना था, लेकिन यह कार्य निर्धारित समय में पूर्ण नहीं हो सका। इसी को ध्यान में रखते हुए बैठक में गणना कार्य को पूरा करने के लिए एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि अब तक लगभग 800 सिंचाई संरचनाओं की गणना पूरी की जा चुकी है, जिनमें निजी एवं सरकारी दोनों प्रकार की संरचनाएं शामिल हैं। बीडीओ ने उपस्थित प्रगणकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्धारित नई समय-सीमा के भीतर किसी भी परिस्थिति में गणना कार्य पूर्ण किया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक सिंचाई संरचना का अक्षांश एवं देशांतर (Latitude–Longitude) के आधार पर सटीक लोकेशन दर्ज करना अनिवार्य है, ताकि आंकड़ों में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। जियो टैगिंग के दौरान मोबाइल एप के माध्यम से डेटा अपलोड करने का निर्देश दिया गया, जिससे रिपोर्टिंग प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी बनी रहे।

बैठक में प्रखंड कृषि पदाधिकारी ब्रजकिशोर चरण सहित अन्य संबंधित कर्मी एवं पदाधिकारी उपस्थित

बेन में खेत मजदूर यूनियन का उग्र प्रदर्शन, आठ सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन

बेन (अपना नालंदा)। भारतीय खेत मजदूर यूनियन नालंदा के नेतृत्व में बेन प्रखंड के अंतर्गत खेत मजदूरों और गरीबों से जुड़ी आठ सूत्री मांगों को लेकर सोमवार को आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व यूनियन के राष्ट्रीय नेता रामनरेश पंडित ने किया। सैकड़ों की संख्या में शामिल प्रदर्शनकारी हाथों में लाल झंडा लिए सरकार विरोधी नारे लगाते हुए प्रखंड मुख्यालय पहुंचे।

इस अवसर पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव राज किशोर प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से मजदूर, किसान और गरीब वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मनरेगा का नाम बदलने पर रोक लगाने, मजदूरों से जुड़े चार श्रम कोड समाप्त करने, मजदूरों के 42 पुराने कानून बहाल करने, सभी गरीब भूमिहीनों को 5 डिसमिल जमीन का पर्चा देने, मनरेगा के तहत 200 दिन काम की गारंटी देने, वृद्धा पेंशन 2000 रुपये प्रतिमाह करने, 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने तथा सभी जीविका दीदियों को 2 लाख रुपये की सहायता देने की मांग की।

इसके अलावा नालंदा जिले में बड़े उद्योग स्थापित कर रोजगार सृजन की भी मांग उठाई गई। प्रदर्शन के बाद यूनियन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से मुलाकात कर मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में नंदू रविदास, कृष्णा मांझी, श्याम फुलदेवी, गीता देवी, जगदीश मांझी, शिवधारी प्रसाद, रामचंद्र, विजय पंडित, प्रकाश पाल, अनिल रविदास सहित अन्य नेता शामिल थे। यूनियन ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

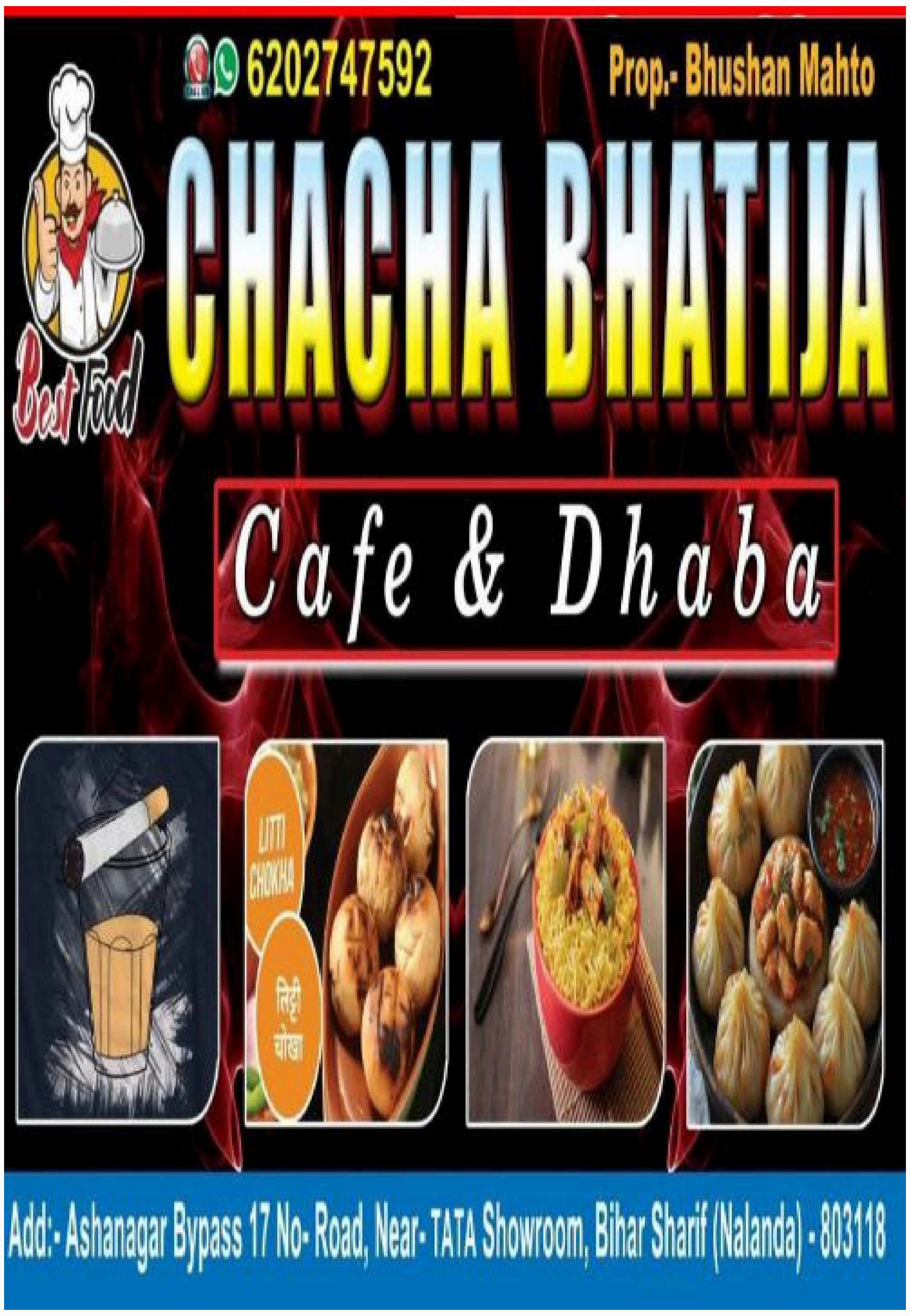

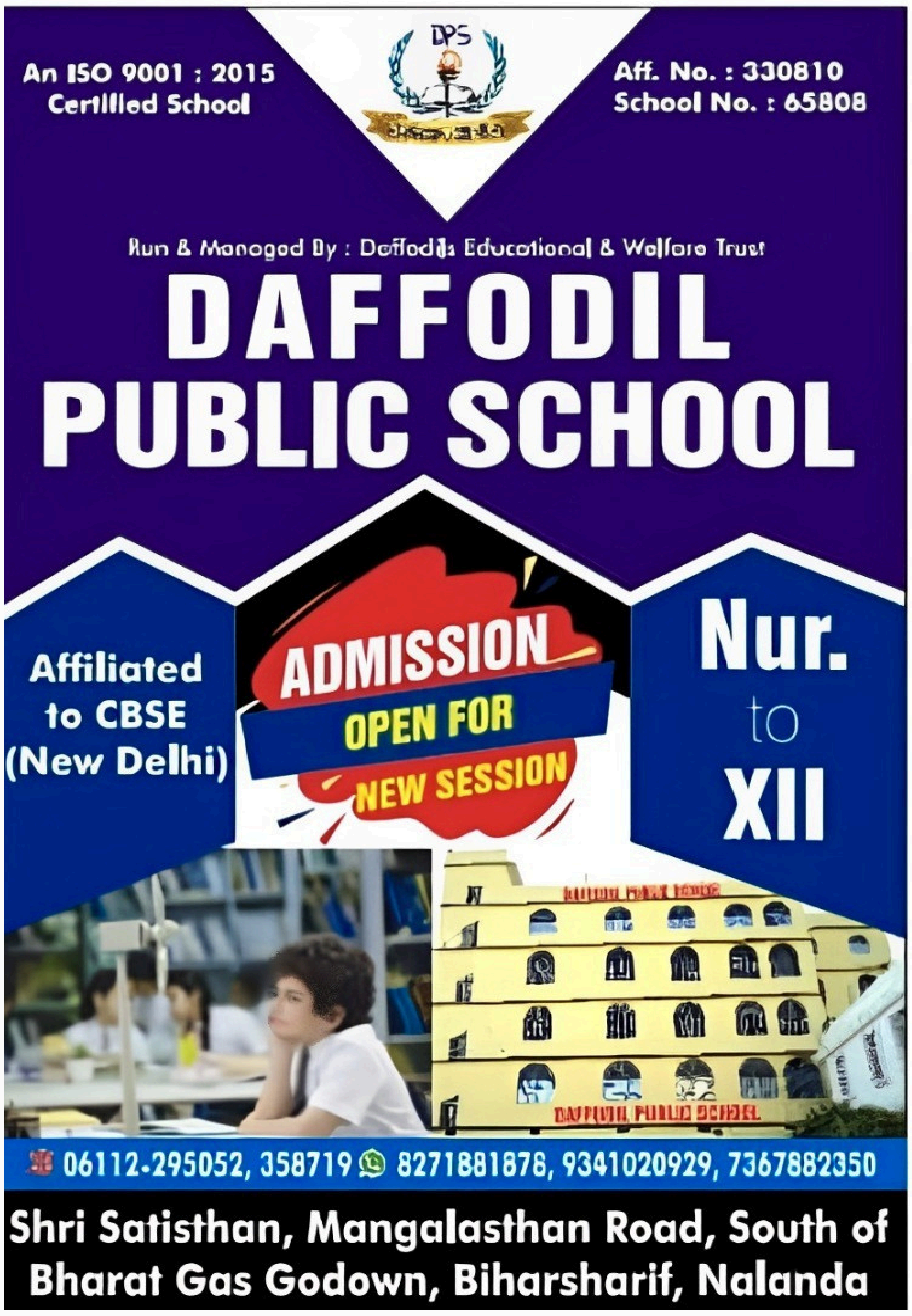

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

मुरगावां में बंदी परमेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया कंबल-टोपी वितरण

बेन (अपना नालंदा)।कड़ाके की ठंड को देखते हुए बंदी परमेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मुरगावां में नि:सहाय, विकलांग, गरीब एवं वृद्धजनों के बीच कंबल और टोपी का वितरण किया गया। इस सेवा कार्यक्रम का नेतृत्व ट्रस्ट के सचिव विनोद नारायण सिंह ने किया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण का यह कार्य ट्रस्ट के सेटलर, सुप्रीम कोर्ट के प्रख्यात कानून वेत्ता गोपाल सिंह की प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की सेवा ही ट्रस्ट का मूल उद्देश्य है, और इसके लिए ट्रस्ट के सभीसदस्य उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

वहीं ट्रस्ट के सचिव विनोद नारायण सिंह ने कहा कि बढ़ती ठंड को देखते हुए वृद्धजनों और विकलांगों को कंबल उपलब्ध कराना मानवीय कर्तव्य है। ट्रस्ट की नीतियों के अनुरूप जरूरतमंदों को राहत पहुंचाकर वे स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष रामानुज, सदस्य राजीव कुमार उर्फ मुन्ना, शंकर सिंह, तथा ट्रस्ट के कार्यकर्ता रमेश कुमार, मनजीत कुमार, पिंटू कुमार, मालती देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ग्रामीणों ने ट्रस्ट के सामाजिक कार्यों की सराहना की और प्रेरणास्रोत श्री गोपाल सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से गांव को एक नई पहचान मिली है, जिससे आज क्षेत्र का विकास हो रहा है और लोग राजगीर जैसे पर्यटन क्षेत्र का लाभ उठा पा रहे हैं।

कोरीया पोखर बना कचरे का ढेर, रहुई नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था फेल

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।रहुई नगर पंचायत के वार्ड संख्या तीन स्थित कोरीया पोखर इन दिनों गंदगी और बदबू का बड़ा केंद्र बन गया है। चारों ओर फैला कचरा, प्लास्टिक, सड़ा-गला घरेलू अपशिष्ट और नालियों का गंदा पानी स्थानीय लोगों के लिए गंभीर समस्या का कारण बन चुका है। हालात ऐसे हैं कि लोगों का घर से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है और पूरे इलाके में असहनीय दुर्गंध फैल रही है।

वर्ष 2021 में नगर पंचायत का दर्जा मिलने के बाद लोगों को क्षेत्र के विकास की उम्मीद जगी थी। माना जा रहा था कि अब साफ-सफाई, सड़क और नाली व्यवस्था में सुधार होगा, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। नगर पंचायत क्षेत्र में नियमित सफाई के बजाय केवल औपचारिकता निभाई जा रही है।

वार्ड संख्या तीन के समीप से गुजरने वाले सरमेरा–फतुहा एसएच-78 के किनारे कचरे का अंबार लगा है। इससे न केवल स्थानीय निवासियों को बल्कि इस मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुर्गंध इतनी तेज हैकि वाहन चालकों को भी नाक बंद करनी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित सफाई नहीं होने से मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है।वार्डवासियों ने कई बार नगर पंचायत अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उप मुख्य पार्षद अनिल पांडेय ने बताया कि फिलहाल नगर पंचायत के पास स्थायी डंपिंग जोन नहीं है। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी नवीन कुमार ने कहा कि जैसे ही चिन्हित भूमि के लिए एनओसी मिलेगी, कचरा निस्तारण की स्थायी व्यवस्था की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

टाउन स्कूल क्षेत्र में पाइपलाइन फटने से तीन वार्डों में जल संकट

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहारशरीफ शहर के टाउन स्कूल के समीप मुख्य पेयजल पाइपलाइन फट जाने से वार्ड संख्या 34, 35 और 42 में गंभीर जल संकट उत्पन्न हो गया है। बीते एक सप्ताह से इन वार्डों के निवासी पीने के पानी के लिए परेशान हैं। प्रभावित इलाकों में सालूगंज, शेरपुर मोहल्ला, खारी कुआं, कंटाही मोहल्ला और पंडितगली प्रमुख रूप से शामिल हैं, जहां पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पाइपलाइन फटने की सूचना मिलते ही मरम्मत के लिए एक मिस्त्री को बुलाया गया था। हालांकि, मरम्मत कार्य शुरू होने के पहले ही दिन मिस्त्री काम अधूरा छोड़कर चला गया, जिसके बाद से अब तक किसी भी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। परिणामस्वरूप, कई परिवारों को दैनिक जरूरतों—जैसे पीने, खाना पकाने और स्वच्छता—के लिए दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है।

महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ स्थानों पर निजी टैंकरों से महंगे दामों पर पानी खरीदने की नौबत आ गई है, जिससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद नगर निगम और संबंधित विभाग की ओर से अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

निवासियों ने नगर निगम प्रशासन से अविलंब पाइपलाइन की मरम्मत कर नियमित जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है।

लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। फिलहाल प्रशासनिक उदासीनता से लोगों में आक्रोश है और वे त्वरित कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

पावापुरी में जमीनी विवाद ने पकड़ा तूल, दोनों पक्षों ने लगाए गंभीर आरोप

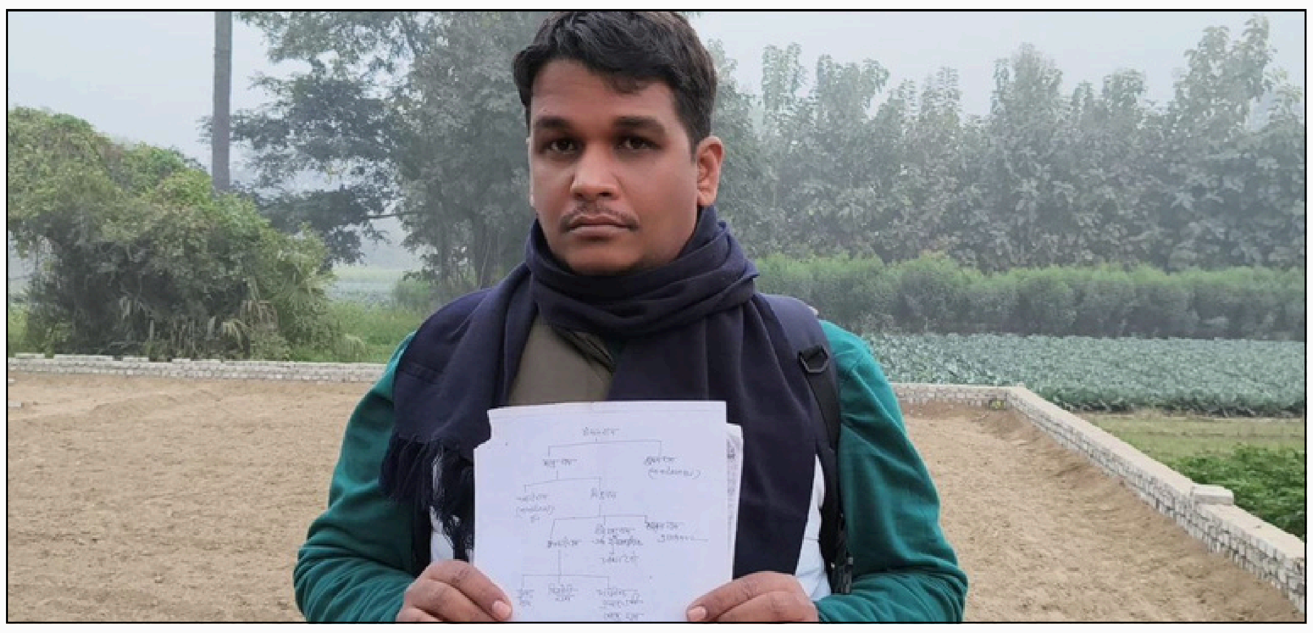

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।पावापुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत चोरसुआ पंचायत के लंगड़ी पुल के समीप जमीनी विवाद एक बार फिर गंभीर रूप लेता नजर आ रहा है। यह विवाद वर्ष 2014 से न्यायालय में लंबित बताया जा रहा है, बावजूद इसके जमीन पर कब्जा और निर्माण कार्य को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है।पीड़िता आशा कुमारी ने अपने गोतिया और कुछ अज्ञात लोगों पर जबरन जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि उनका कोई सगा भाई नहीं है और इसी का फायदा उठाकर गोतिया दबंगई के बल पर जमीन पर कब्जा करने तथा उसे बेचने का प्रयास कर रहे हैं। आशा कुमारी के अनुसार विवादित जमीन उनके दादा शिबू कहार (चंद्रवंशी) के नाम से दर्ज है और मामला वर्ष 2014 से न्यायालय में विचाराधीन है। कोर्ट में मामला लंबित रहने के बावजूद जबरन कब्जा और निर्माण की कोशिश से उन्हें मानसिक व सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वहीं दूसरी ओर, आशा कुमारी के भतीजे चंदन कुमार ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि विवादित भूमि का प्लॉट संख्या 4577 है, जो वर्ष 2014 से ही न्यायालय में लंबित है। उनका आरोप है कि आशा कुमारी बार-बार जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कर कब्जा जमाने और बेचने की कोशिश करती हैं। चंदन कुमार का यह भी कहना है कि पारिवारिक संबंधों के नाम पर पूर्व में समझौते के लिए ₹6 लाख की राशि ली जा चुकी है, जिससे उनका परिवार लगातार मानसिक तनाव में है।दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह मामला अब निष्पक्ष जांच का विषय बन गया है। परिजनों ने जिला प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की है। जमीन का वास्तविक स्वामित्व न्यायालय के निर्णय के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

हिलसा में रंजीत कुमार की माता के निधन पर भावभीनी श्रद्धांजलि

हिलसा (अपना नालंदा)। अनुमंडल मुख्यालय हिलसा के काजी बाजार मोहल्ले में रविवार की संध्या शोक और श्रद्धा का वातावरण रहा। अनुसचिवीय कर्मचारी संघ, सरायकेला-खरसावां (झारखंड) के जिला अध्यक्ष एवं काजी बाजार निवासी रंजीत कुमार तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, ग्वालपाड़ा (मधेपुरा) परमानन्द पंडित की माता स्वर्गीय पानो देवी के निधन पर हिलसा के गणमान्य नागरिकों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

स्वर्गीय पानो देवी के ब्रह्मभोज कार्यक्रम की संध्या में उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर नगर के सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रबुद्धजनों ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर हिलसा नगर परिषद के मेयर धनंजय कुमार, मानव समाज सेवा संघ के आशुतोष कुमार मानव, वार्ड प्रतिनिधि पप्पू पासवान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। परिवार की ओर से पुत्रगण रामानंद पंडित, प्रमोद पंडित, रंजीत पंडित, परमानन्द पंडित, अर्जुन पंडित, पवन पंडित तथा अन्य परिजनों ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया। इसके अलावा अभिषेक कुमार, कुणाल कुमार, विनोद पंडित, विन्दु प्रसाद समेत अनेक शुभचिंतकों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने स्वर्गीय पानो देवी के सादगीपूर्ण, संस्कारयुक्त और समाजिक मूल्यों से परिपूर्ण जीवन को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन परिवार और समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहा। कार्यक्रम के दौरान शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया गया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की कामना की गई।

राजगीर में नालंदा ब्लड ग्रुप टीम को हैवन ग्रुप ऑफ कंपनीज ने किया सम्मानित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली नालंदा ब्लड ग्रुप टीम को राजगीर में हैवन ग्रुप ऑफ कंपनीज की ओर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कंपनी के डायरेक्टर मोहम्मद अमजद सिद्दीकी द्वारा प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह में डायरेक्टर अमजद सिद्दीकी ने कहा कि नालंदा ब्लड ग्रुप टीम लगातार मानव सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। रक्तदान जैसी पुनीत पहल से न केवल जरूरतमंदों की जान बचती है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारा और मानवता की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने टीम के सभी सदस्यों के समर्पण और निरंतर प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आगे भी इसी तरह सेवा कार्य जारी रखने की अपील की।नालंदा ब्लड ग्रुप की टीम अब तक लगभग 4 हजार से अधिक जरूरतमंदों को रक्तदान करा चुकी है और लगातार लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने में जुटी हुई है। टीम के इस सम्मान से शहरवासियों में खुशी की लहर है और विभिन्न सामाजिक संगठनों व नागरिकों ने नालंदा ब्लड ग्रुप को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रक्तदान ने मिटाई धर्म की दीवार, मुस्लिम युवक ने पेश की इंसानियत की मिसाल

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।धर्म के नाम पर बढ़ते सामाजिक तनाव के बीच बिहारशरीफ में इंसानियत की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है। सामाजिक संगठन नालंदा ब्लड ग्रुप के सक्रिय सदस्य मोहम्मद शरीक अख्तर ने हिंदू महिला गुड़िया कुमारी को रक्तदान कर मानवता का सशक्त संदेश दिया। बताया गया कि गुड़िया कुमारी को अचानक रक्त की आवश्यकता पड़ी। सूचना मिलते ही नवादा जिले के निवासी मोहम्मद शरीक अख्तर बिना किसी देरी के आगे आए और रक्तदान कर उनकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। इस मानवीय कार्य से न केवल मरीज के परिजनों को राहत मिली, बचाना ही सबसे बड़ा धर्म माना जाता है। बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश भी गया।रक्तदान के बाद मोहम्मद शरीक अख्तर ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल इंसानियत की सेवा करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रक्तदान में धर्म, जाति या समुदाय का कोई स्थान नहीं होता। जरूरतमंद की मदद करना हर इंसान का नैतिक कर्तव्य है, और वे भविष्य में भी इसी भावना के साथ सेवा करते रहेंगे।

इस रक्तदान अभियान को सफल बनाने में नालंदा ब्लड ग्रुप के नवादा जिला अध्यक्ष मोहम्मद साजिद आलम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वे बीते कई वर्षों से रक्तदान जागरूकता अभियान से जुड़े हुए हैं और लगातार लोगों को स्वेच्छा से रक्तदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं।नालंदा ब्लड ग्रुप द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में मजबूत कदम साबित हो रहे हैं, जहां इंसानियत धर्म से ऊपर नजर आती है और जरूरतमंदों की जान बचाना ही सबसे बड़ा धर्म माना जाता है।

चण्डी थाना हत्या कांड में फैसला, पाँच को आजीवन कारावास समेत 18 दोषी

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। चण्डी थाना कांड संख्या 382/20 हत्या मामले में न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। नालंदा पुलिस द्वारा प्रस्तुत ठोस साक्ष्यों, समय पर गवाहों की उपस्थिति और समर्पित चार्जशीट के आधार पर विचारण उपरांत कुल 18 अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया है। यह निर्णय दिनांक 05 जनवरी 2026 को ADJ-04 न्यायालय, हिलसा द्वारा सुनाया गया।

न्यायालय ने अभियुक्त सत्येन्द्र दास, राजकुमार दास, शिवचन्द्र दास, पप्पू दास एवं जगदीश दास (सभी निवासी—गोपीबिगहा, चमरोली, थाना चण्डी, जिला नालंदा) को भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 147, 148 एवं 448 के तहत दोषी पाते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही प्रत्येक पर ₹20,000 का अर्थदंड लगायागया है। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में दो वर्ष का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

वहीं शेष 13 अभियुक्त—मुकेश दास, इन्द्रजीत दास, संजय दास, सोनी दास, रामप्रवेश दास, किशोर दास, जय किशुन दास, सुमंगल दास, बबीतर देवी, गुड़िया देवी, बिनोद दास, उर्मिला देवी एवं मुनर देवी—को धारा 147, 148, 149, 341, 342 एवं 448 भा.दं.वि. के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए एक वर्ष का सश्रम कारावास दिया गया।नालंदा पुलिस की सतर्क विवेचना, साक्ष्य संकलन और अभियोजन की प्रभावी पैरवी के कारण पीड़ित पक्ष को न्याय मिला है। यह फैसला कानून-व्यवस्था में जनता के विश्वास को और मजबूत करता है।

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालंदा

सार्क देशों के पत्रकारों और लेखकों का नालंदा में चौथा दो अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा सम्मेलन अपनी भव्यता के साथ हुआ संपन्न

प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर ऑन का पत्रकार और लेखकों ने किया निरीक्षण और भ्रमण

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।04-05 जनवरी 2026 को सार्क जर्नलिस्ट फोरम इंडिया चेप्टर बिहार,नालंदा खुला विश्वविद्यालय,आम्रपाली कला साहित्य सम्मेलन एवं मानवाधिकार टुडे के तत्वावधान में बिहार का चौथा दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन कल 4 और 5 जनवरी को अपनी भव्यता लिए हुआ संपन्न।

इस सम्मेलन का उद्घाटन करते हुये सिक्किम पूर्व राज्यपाल माननीय श्री गंगा प्रसाद ने अपने मूल्यांकन विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ज्ञान की इस ऐतिहासिक भूमि नालंदा ने अपनी ऐतिहासिक गरिमा को फिर से स्थापित करने में आप सभी सार्क देशों के पत्रकारों और लेखकों की भूमिका सराहनीय है। आप सभी पत्रकारों, लेखकों और साहित्यकारों का हम धन्यावाद देते है कि हमारे बिहार की भूमि में नए उर्जा का संचार करने के लिए पधारे हैं। सम्मेलन समारोह की अध्यक्षता बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ अनिल सुलभ ने अपने मातृभाषा और राष्ट्र भाषा

के व्यापक महत्व को बताया। वहीं मॉरिशस से पहुंची वहां के पूर्व उप प्रधान मंत्री की पत्नी,अंतराष्ट्रीय संस्कृति संवाहिका एवं सुप्रसिद्ध लेखिका डॉ सरिता बुद्धु ने बिहार की धरती को अपना दूसरा घर बताते हुए कहा कि नालंदा की धरती के ज्ञान की चर्चा आज पूरी दुनिया में है और यही आकर्षण ने मुझे याद खींच लाया है। हम इस सम्मेलन में संयोजक,सार्क देशों में मानवाधिकार पत्रकारिता के संवाहक डॉ शशि भूषण कुमार जी ने लगातार बिहार में चौथी बार संस्कृति एवं मातृभाषा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन किया और मैं हर वर्ष खींची चली आती हू और यह मेरा बिहार आत्मीय लगाव बन गया है।

इस उद्घाटन समारोह में पद्मश्री डॉ जे के सिंह,पद्मश्री बिमल जैन, थाईलैंड के डाक्टर पी सी चंद्रा, नेपाल से सार्क जर्नलिस्ट फोरम के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष राजू लामा एवं बांग्लादेश से शार्क जर्नलिस्ट फॉर्म के अंतरराष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद अब्दुल रहमान, ,डॉ ब्रजनंदन कुमार सिन्हा ने भी अपने-अपने मूल्यांकन विचारों से समारोहों को प्रकाशित किया। इस समारोह उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों ने सबसे पहले मानवाधिकार और पत्रकारिता पर आधारित कुल गीत को गाया। इस समारोहों सत्र में डॉ सरिता बुद्धू,पद्मश्री डॉ जे के सिंह, ,डॉ ब्रजनंदन कुमार सिन्हा एवं डॉ सुष्मिता पांडेय को लाइफ टाइम अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। इस अलावा 21 व्यक्तित्वों को नालंदा इन्टरनेशनल अचीवर्स अवार्ड 2025 एवं 51 व्यक्तित्वों को बिहार गौरव अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। इस समारोह के अवसर पर प्रकाशित प्रधान सम्पादक डॉ शशि भूषण कुमार एवं प्रो. रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव "परिचय दास द्वारा संपादित पुस्तक "बिहार का गौरव:नालंदा एवं मातृभाषा नामक एवं भोजपुरी चित्रकार वंदना श्रीवास्तव की पुस्तक "भोजपुरी कला के बहाने " का लोकार्पण किया गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत एवं बिहार की लोक संस्कृति एवं भाषा के उन्नयन हेतु "वैशाली अंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ" के स्थापना की घोषणा का छवि चित्र का लोकार्पण भी सभी सम्मानित अतिथियों एवं अंतर्राष्ट्रीय अतिथियों के बौद्धिक सहमती एवं हस्ताक्षर के साथ किया गया। इस समारोह उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्त प्रोफेसर रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव एवं नेपाल के वरिष्ठ पत्रकार नृपेन्द लाल श्रेष्ठ ने अपने-अपने व्याख्यान दिये। स्वागत भाषण समारोह के संयोजक एवं मानवाधिकार टुडे के संपादक वरिष्ठ पत्रकार शशि भूषण कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ पंकज कुमार ने दिया। "पत्रकारिता एवं मानवाधिकार एक वैश्विक चुनौती" विषय गोष्ठी के प्रथम वैचारिक सत्र का उद्घाटन सार्क जर्नलिस्ट फोरम के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजू लामा, अध्यक्षता सार्क जर्नलिस्ट फोरम बिहार के अध्यक्ष एवं मानवाधिकार टुडे के सम्पादक डॉ शशि भूषण कुमार ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अभय कुमार सिंह एवं अतिथि वक्तागण के रूप में नेपाल से पत्रकार नृपेन्द लाल श्रेष्ठ ,मोहम्मद सद्दाब,बंगलादेश के वरिष्ठ पत्रकार मुस्ताक अहमद मुबारकी,

भारत से राजेश भट्ट एवं अभिजीत शर्मा हुये शामिल।वहीं श्रीलंका से वरिष्ठ पत्रकार और सार्क जर्नलिस्ट फोरम श्रीलंका के अध्यक्ष राहुल समंथा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किये। वहीं मंच संचालन कोलकाता से पहुंची चर्चित लेखिका डॉ उर्वशी श्रीवास्तव,धन्यवाद ज्ञापन दैनिक हिन्दुस्तान नालंदा के रिपोर्टर प्रमोद चंद्र झा और सत्र संयोजन मानवाधिकार टुडे के तकनीकी सम्पादक मुस्ताक कदरी ने किया। वही इस सत्र में गोल्ड मैन ऑफ इंडिया प्रेम सिंह को बिहार गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया । " अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नालंदा विश्वविद्यालय का शैक्षणिक महत्व"

विषय गोष्ठी के दितीय वैचारिक सत्र का उद्घाटन सरस्वती विद्या मंदिर राजगीर के प्राचार्य और प्रखर वक्ता डॉ आनंद कुमार, अध्यक्षता नालंदा नव बिहार विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर और चर्चित लेखक

प्रोफेसर परिचय दास ने किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ रजनीश कुमार,डॉ रामराम चौरसिया एवं अंकित द्विवेदी ने अपने- अपने व्याख्यान दिये।वहीं धन्यवाद ज्ञापन मानवाधिकार टुडे की समाचार वाचिका डॉ करुणा पीटर ने किया। "बिहार की संस्कृति एवं मातृभाषा" विषय तृतीय खुला सत्र का उद्घाटनपटना विश्वविद्यालय,नालंदा विश्वविद्यालय एवं वीर कुंवर सिंह विश्विद्यालय के पूर्व कुलपति विद्वान प्रो. के सी सिन्हा ने किया और विशिष्ट अतिथि के रूप में औरंगाबाद के उप विकास अयुक्त सुमित कुमार शामिल हुये। अध्यक्षता बज्जिका के चर्चित लेखक एवं विद्वान प्रोफेसर डॉ ब्रह्मदेव प्रसाद कार्यी ने किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में सा साइंटिफिक रिसर्च ऑर्गनाइजेशन सिंडेटा USA के कुमार विजय विकास अंवष्टा एवं डॉ अरुण कुमार निराला ने शानदार व्याख्यान दिए एवं डॉ उर्वशी श्रीवास्तव, गोविंद वल्लभ, ओंकार प्रसाद सिंह, डॉ रजनी प्रभा,डॉ करुणा कमल पीटर,डॉ रेणु शर्मा,अंकित दिवेदी,एम एस सुषमा, डॉ चरणजीत वर्मा ने अपनी-अपनी कविताओं के माध्यम से प्रस्तुति दी।

संध्या में लोक संस्कृति पर आधारित साँस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजनकिया गया जिसमें स्थानीय कलाकारों के अलावा पश्चिम बंगाल के कलाकारों एवं सिने अभिनेता राजन कुमार की टीम द्वारा शानदार प्रस्तुति हुई। वही सम्मेलन के दूसरे दिन सार्क देशों के पत्रकार एवं लेखक के साथ-साथ मॉरीशस से पहुंची मॉरीशस की चर्चित लेखिका डॉक्टर संहिता बुद्धू जी ने नालंदा की ऐतिहासिक धरोहर प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय का भ्रमण किया और निरीक्षण किया और देखने के बाद कहा कि बाकी में यह दुनिया की बेहतरीन और बेमिसाल विश्वविद्यालय रही होगी जो दुनिया को ज्ञान प्रदान करने में अपनी अहम भूमिका अदा की होगी। साथ में भ्रमण कर रहे हैं नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अभय कुमार सिंह ने कहा कि हमारे लिए यह बहुत ही खुशी की बात है की सार्क देशों के पत्रकार और लेखक हमारे विश्वविद्यालय के साथ-साथ प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय काव्य भ्रमण किया और इस बात के लिए सभी लोगों को उन्होंने बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही सर जर्नलिस्ट फॉर्म बिहार के अध्यक्ष डॉ शशि भूषण कुमार ने कहा की हमारे लिए भी यह ऐतिहासिक सम्मेलन और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहरों का अवलोकन और निरीक्षण हमारे पत्रकार बंधु के करने से बिहार की विरासत पर अपनी अपनी खबरों में और साथ ही लिखो में सभी जिक्र करेंगेउन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नई सरकार के गठन को 45 दिन बीत जाने के बावजूद किसी बड़े भूमाफिया, शराब माफिया या बालू माफिया पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सरकार का सारा "एक्शन" गरीबों पर दिखाई दे रहा है, जिनके घरों पर अतिक्रमण के नाम पर बुलडोजर चलाया जा रहा है और उन्हें उजाड़ा जा रहा है।अंत में अरुण यादव ने कहा कि उपमुख्यमंत्री बनने के बाद से विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी केवल बयानबाजी में लगे हैं। जमीन पर वास्तविक सुधार और जनहित से जुड़ा कोई ठोस काम अब तक नजर नहीं आ रहा है।

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

राजधानी पटना की खबर

भूमि विवाद समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध, भू-माफियाओं पर होगी कड़ी कार्रवाई

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)।राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा शुरू किया गया भूमि सुधार जनकल्याण संवाद अब आम जनता के लिए भूमि से जुड़ी समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनता जा रहा है। भागलपुर टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विजय कुमार सिन्हा, उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री ने कहा कि सरकार द्रव्य, दबाव और दलाली की व्यवस्था से जनता को मुक्ति दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता बनाम भू-माफिया की लड़ाई में सरकार मजबूती से जनता के साथ खड़ी है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि विवाद जटिल विषय है, जिसके समाधान के लिए कानूनी प्रावधानों के साथ जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है। इसी उद्देश्य से विभाग ने अपने पहले 100 दिनों में प्रमंडल एवं जिलावार जनसंवाद शुरू किया है, ताकि जनता की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि विभाग की सभी सेवाएं अब पूरी तरह ऑनलाइन हैं और आम लोगों की सुविधा के लिए प्रत्येक अंचल कार्यालय में सीएससी सेंटर कीव्यवस्था की गई है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कार्य में बाधा डालने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। अंचल अधिकारियों और राजस्व कर्मचारियों को ऐसे मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने का अधिकार दिया गया है। सही व्यक्ति किसी भी स्थिति में पीड़ित नहीं होगा, जबकि नियम तोड़ने वालों को जेल जाना पड़ेगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि 1 जनवरी 2026 से राजस्व अभिलेखों की सत्यापित नकल केवल ऑनलाइन उपलब्ध है, जिसे पूर्ण वैधानिक मान्यता प्राप्त है। साथ ही, एससी/एसटी पर्चाधारियों को दखल दिलाने के लिए ऑपरेशन भूमि दखल देहानी, पारिवारिक बंटवारा पोर्टल, विशेष शिविर और हर शनिवार अंचल कार्यालय में जनता दरबार जैसी कई नई पहल शुरू की गई हैं।

कार्यक्रम में विभाग के प्रधान सचिव सीके अनिल, जिलाधिकारी नवल किशोर चौधरी सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे।

भूमि सुधार के नाम पर उगाही का आरोप, सरकार पर राजद का तीखा हमला

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग मंत्री विजय कुमार सिन्हा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनका तथाकथित "भूमि सुधार जन कल्याण संवाद" वास्तव में भूमि सुधार की प्रक्रिया नहीं, बल्कि भूमाफियाओं से मोटी रकम उगाही का एक सुनियोजित तरीका बन चुका है।

अरुण यादव ने कहा कि इस संवाद कार्यक्रम से यह स्पष्ट हो गया है कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग पूरी तरह भ्रष्ट अधिकारियों, दलालों और भूमाफियाओं के चंगुल में फंसा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संरक्षण में बीते दो दशकों से ऐसे तत्व फल-फूल रहे हैं, जिन पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

राजद प्रवक्ता ने कहा कि जन संवाद के दौरान छोटे कर्मचारियों और निचले स्तर के अधिकारियों पर कार्रवाई का डर दिखाया जाता है, जबकि बड़े अधिकारी और भूमाफिया कथित रूप से 'सेटिंग' के जरिए बच निकलते हैं। यह पूरा तंत्र उगाही आधारित है, न कि जनहित या सुधार आधारित।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नई सरकार के गठन को 45 दिन बीत जाने के बावजूद किसी बड़े भूमाफिया, शराब माफिया या बालू माफिया पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सरकार का सारा "एक्शन" गरीबों पर दिखाई दे रहा है, जिनके घरों पर अतिक्रमण के नाम पर बुलडोजर चलाया जा रहा है और उन्हें उजाड़ा जा रहा है।अंत में अरुण यादव ने कहा कि उपमुख्यमंत्री बनने के बाद से विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी केवल बयानबाजी में लगे हैं। जमीन पर वास्तविक सुधार और जनहित से जुड़ा कोई ठोस काम अब तक नजर नहीं आ रहा है।

जन सुराज संगठन पुनर्गठन पर मंथन, भविष्य की रणनीति को लेकर पटना में अहम बैठक

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जन सुराज संगठन के नवनिर्माण, पुनर्गठन एवं संगठनात्मक मजबूती को प्रभावी रूप देने के उद्देश्य से पटना महानगर के फुलवारी स्थित जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ संगठनात्मक पदाधिकारी संजय यादव ने की।

बैठक के दौरान संगठन की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की गई तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि किस प्रकार जन सुराज के विचार, सिद्धांत और उद्देश्य आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाए जाएं। संगठन को बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक अधिक सशक्त, सक्रिय और अनुशासित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए, जिन पर सर्वसम्मति बनी।

बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में ओबैदुर रहमान एवं डॉ. बिपिन यादव की विशेष उपस्थिति रही। दोनों पर्यवेक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा अनुशासन के साथ जनसंपर्क अभियान चलाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर निरंतर सक्रियता ही संगठन को मजबूती प्रदान कर सकती है।

बैठक में बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि वे जन सुराज के उद्देश्यों को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई और संगठन को नई ऊर्जा व दिशा

सुशील कुमार मोदी जयंती पर पटना में श्रद्धांजलि, आदमकद प्रतिमा अनावरण

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने श्रद्धेय बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री, पद्मभूषण से अलंकृत एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता की। सोमवार को राजेन्द्र नगर स्थित सुशील मोदी स्मृति पार्क में माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसमें डॉ. प्रेम कुमार उपस्थित रहे।

इसके उपरांत पटना स्थित कृष्ण मेमोरियल हॉल में सुशील कुमार मोदी स्मृति शोध संस्थान द्वारा आयोजित जयंती समारोह में भीविधान सभा अध्यक्ष ने भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी बिहार की राजनीति और सार्वजनिक जीवन के अत्यंत प्रभावशाली , दूरदर्शी एवं कर्मठ व्यक्तित्व थे। वे विचार, मूल्य और सिद्धांतों की राजनीति के सशक्त प्रतीक के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे।

उन्होंने कहा कि छात्र राजनीति से लेकर आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा, जेपी आंदोलन, उप मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय स्तर के नेता के रूप में उन्होंने प्रत्येक भूमिका को निडरता और निष्ठा से निभाया। वित्त मंत्री के रूप में उनके प्रयासों से बिहार की आर्थिक व्यवस्था को मजबूती मिली तथा राजकोषीय अनुशासन स्थापित हुआ।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि स्व. सुशील कुमार मोदी का जीवन विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी राजनीति में कटुता नहीं, बल्कि तर्क, शालीनता और जनसेवा की भावना थी। जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों—ईमानदारी, पारदर्शिता और सेवा—को आत्मसात करें।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार
BREAKING NEWS
Friday, November 25, 2025
अपना नालदा
अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान
नालन्दा की जनता की आवाज
अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
9031468165
9608311251
"अपना नालदा"
नालंदा की जनता की आवाज